भाकृअनुप - राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक 753 006

कृषि सलाहकार सेवा

जून 2024 के प्रथम पखवाड़े की रणनीतियाँ

ग्रीष्मकालीन चावल

- *ग्रीष्मकालीन धान फसल की या तो हाथों से या दरांती से या रीपर के उपयोग करके कटाई करें। खपत के उद्देश्य से धान के दानों को 14% नमी की मात्रा तक धूप में सुखाया जाना चाहिए और बीज के बेहतर भंडारण अवधि के लिए इसे 12% नमी तक सूखाना चाहिए। उपज की बेहतर कीमत के लिए तथा मिश्रण के बिना प्रत्येक किस्म को अलग-अलग पैक करें।*
- *धान / चावल के सुरक्षित भंडारण के लिए, 'सुपर ग्रेन बैग 'का उपयोग करें या काटे गए धान को सुरक्षित भंडारण के लिए उपयुक्त तरीके से ढक कर उचित बैग में और ढेर में भंडारण करें।*
- *भंडारित अनाजों में संक्रमण दिखाई देने के तुरंत बाद, एल्यूमीनियम फॉस्फाइड की 3 टिकियां / टन अनाज (कुल 9 ग्राम) की दर से उपयोग करके अच्छी तरह से हवाबंद कंटेनरों में धूमक दें (आवास घरों में उपयोग न करें) या बिना जगह छोड़े अनाज की बोरियों को मोटी तिरपाल से ढक दें। टिकिया को स्टैक में रखने से पहले कपास के पाउच में लपेटा जाना चाहिए, जो धूमन को पूरा करने के बाद अवशेष को हटाने में मदद करता है। गैस का रिसाव रोकने के लिए प्लास्टिक कवर के सभी कोनों को मिट्टी / रेत / चिपकने वाली टेप की 6 इंच मोटी परत के साथ प्लास्टर किया जाना चाहिए। बेहतर परिणाम के लिए लगभग 7-10 दिनों की बिना ढके हुए रखें।*

शुष्क सीधी बुआई चावल

- *ऊपरीभूमि सीधी बीज वाली धान के लिए विश्वसनीय स्रोतों से सीआर धान 100 (सत्यभामा), सीआर धान 101 (अंकित), सहभागीधान, फाल्गुनी, वंदना, अंजलि, खंडगिरी चावल की किस्मों के अच्छी गुणवत्ता वाले बीज का उपयोग करें। बीजों को सीड ड्रिल सहित या थ्री-टाईन कल्टीवेटर-कम-सीड ड्रिल द्वारा या देशी हल के पीछे से 15 सेंटीमीटर की दूरी पर जुताई करें। बीज को 4-6 सेमी की गहराई में रखा जाना चाहिए। बीज के परीक्षण वजन के आधार पर 24-30 किग्रा/एकड़ दर से अच्छी गुणवत्ता वाले बीजों का प्रयोग करें।*
- *सीधी बुआई वाले चावल में अंतिम भूमि की तैयारी के दौरान अच्छी तरह से सड़ी हुई गोबर खाद 8 क्विंटल / एकड़ की दर से प्रयोग करें।*

- *मुख्य खेत में बुआई करने से पहले, बीज को ट्राइकोडर्मा डस्ट सूत्रण 10 ग्राम / किग्रा बीज की दर से या राज्य सरकार की एजेंसियों द्वारा प्रदान किए गए किसी अन्य बीज उपचार रसायन के साथ उपचारित किया जाना चाहिए।*
- *फास्फोरस और पोटाश की पूरी मात्रा 12 किग्रा प्रति एकड़ (75 किग्रा एसएसपी या 27 किग्रा डीएपी + 20 किग्रा एमओपी) को हल के पीछे से या ऊपरी भूमि चावल में उर्वरक सह बीज ड्रिल द्वारा आधारी खुराक के रूप में डालें।*
- *मध्यम/अर्ध-गहरा और गहरा जल वाले चावल पारिस्थितिकी में जहां सीधी बुवाई प्रथा अपनाया जाता है, भूमि की अंतिम तैयारी के समय 2-3 बार कल्टीवेटर का उपयोग करें ताकि एक अच्छी जुताई हो सके और उचित भूमि समतल हो सके। हल्की मिट्टी वाली स्थिति में ट्रैक्टर से खींचे गए रोटावेटर का उपयोग बारीक जुताई प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है।*
- *मध्यवर्ती गहरा जल के लिए वर्षाधान, दुर्गा, सीआर धान 501, सरला और गायत्री तथा गहरा जल स्थिति के लिए सीआर धान 500, सीआर धान 502 (जयंती धान), सीआर धान 503 (जलमणि), सीआर धान 505, सीआर धान 507 (प्रशांत) जैसी चावल की किस्मों के अच्छी गुणवत्ता वाले बीजों का उपयोग करें।*
- *बीजों को सीड ड्रिल या थ्री-टाईन कल्टीवेटर-कम-सीड ड्रिल के साथ या देशी हल के पीछे 20 X15 सेमी की दूरी पर बोएं। बीज को 4-6 सेमी की गहराई में रखें। 18-20 किग्रा/एकड़ अच्छी गुणवत्ता वाले बीजों का प्रयोग करें।*
- *अर्ध गहरा और गहरा जल में सीधे बोए गए चावल के क्षेत्रों में जहां टॉप ड्रेसिंग संभव नहीं है, अंतिम भूमि की तैयारी के समय नत्रजन, फोस्फोरस और पोटाश 16:8:8 किग्रा / एकड़ की दर से संपूर्ण मात्रा आधारी मात्रा के रूप में 17.5 किग्रा डीएपी + 13.5 किग्रा एमओपी + 30 किग्रा यूरिया डालें।*

प्रतिरोपित खरीफ धान

- *अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों, ब्लॉक कार्यालयों और अन्य प्रतिष्ठित प्रक्षेत्रों जैसे विश्वसनीय स्त्रोतों से उथली निचली भूमि में रोपित चावल के लिए सीआर धान 307 (मौड़मणि), सीआर धान 303, सीआर धान 304, एमटीयू 1001, एमटीयू 1010,*

नवीन, सीआर धान 310, सीआर धान 312, सीआर धान 314, डीआरआर 44, उन्नत ललाट, सीआर धान 301 (ह्यू), सीआर धान 800, सीआर धान 404, स्वर्णा, पूजा, स्वर्णा सब 1 और बीपीटी 5204 जैसी किस्मों के अच्छी गुणवत्ता वाले बीज का उपयोग करें।

- *तटीय लवणीय क्षेत्र के लिए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे विश्वसनीय स्त्रोतों से सीआर धान 405 (लुणा सांखी), सीआर धान 403 (लुणा सुवर्णा), डीआरआर 39 और लुणीश्री जैसी लवण सहिष्णु किस्मों की बीज क्रय करें।*
- *सिंचित मध्यम और उथली निचलीभूमि में संकर किस्मों की खेती करने के इच्छुक किसानों को सलाह दी जाती है कि वे प्रतिष्ठित बीज कंपनियों से अजय, राजलक्ष्मी, सीआर धान 701, केआरएच-2 और पीएचबी 71 जैसे संकर किस्मों के अच्छी गुणवत्ता वाले विश्वसनीय बीज खरीदें।*
- *बाढ़ प्रवण उथली निचलीभूमि के लिए स्वर्णा सब-1, रणजीत सब-1, बहादुर सब-1, बिनाधान-11 और सांबा सब-1 जैसी बाढ़ प्रवण सहिष्णु किस्मों की व्यवस्था करें। अर्ध गहराजल वाले क्षेत्रों के लिए विश्वसनीय स्त्रोत से सीआर 1009 सब-1 बीज खरीदें।*
- *सुगंधित चावल की खेती करने वाले इच्छुक किसानों को सलाह दी जाती है कि वे प्रतिष्ठित बीज कंपनियों या खेतों या एजेंसियों से गीतांजलि, सीआर सुगंध धान 907, सीआर सुगंध धान 908 और सीआर सुगंध धान 910 जैसी किस्मों के अच्छी गुणवत्ता वाले बीज खरीदें।*
- *सूखा प्रवण ऊपरी/उथली निचली भूमि के लिए विश्वसनीय स्त्रोत से सहभागीधान, डीआरआर 42, डीआरआर 44, बीआरआरआई धान 71, स्वर्णा श्रेया जैसी सूखा सहिष्णु किस्मों की बीज खरीदें।*
- *प्रतिरोपित धान में हरी खाद के लिए आरंभिक भुमि तैयारी के बाद, अच्छी गुणवत्ता वाले ढैंचा के बीज 12 किग्रा./एकड़ की दर से बोयें।*
- *बीज उपचार के लिए प्रतिष्ठित एजेंसियों/दुकानों से ट्राइकोडर्मा डस्ट फॉर्म्युलेशन (10 ग्राम/किलोग्राम बीज) की व्यवस्था करें।*
- *चूंकि ओडिशा के अधिकांश भाग में पहले से ही पर्याप्त मात्रा में ग्रीष्मकालीन वर्षा हो चुकी है, इसलिए खरीफ चावल के लिए सूखी नर्सरी के लिए प्रारंभिक भूमि की तैयारी की जानी चाहिए।*

- *किसानों को सलाह दी जाती है कि धान की खेती के सभी पहलुओं पर जानकारी प्राप्त करने के लिए एनआरआरआई द्वारा विकसित राइसएक्सपर्ट मोबाइल ऐप (गूगल प्ले स्टोर में उपलब्ध) को डाउनलोड और उपयोग करें।*